>

Title: Need to permit the labourers to retain their quarters given by the Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, Jharkhand.

श्री पशुपति नाथ सिंह (धनबाद): माननीय सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया। 1960 के दशक में भारत सरकार के तत्कालीन श्रम एवं कल्याण मंत्री, बाबू जगजीवन राम जी ने एशिया की सबसे बड़ी श्रमिक नगरी झारखंड राज्य के धनबाद जिला के भूली नगरी में बनाई थी। जिसमें खदान कर्मचारियों के अलावा व्यवसाय एवं नौकरी करने वाले निजी क्षेत्र के व्यक्तियों को भी भाड़े पर क्वार्टर दिये गये थे। लेकिन कोलियरी के राष्ट्रीयकरण के बाद इसका रखरखाव भारत कोकिंग कोल लिमिटेड कर रही है। बीसीसीएल ने इतना ज्यादा भाड़ा कर दिया है कि जिसकी वजह से मध्यम वर्ग के लोग भाड़ा देने में असमर्थ हैं। लेकिन बीसीसीएल उसे मानने के लिए तैयार नहीं है। वर्षों से रहे निजी क्वाटरधारियों को आज बाहर करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। लेकिन विधि व्यवस्था के कारण सफलता नहीं मिल पा रही है। अतः मैं सरकार से मांग करता हूँ कि गैर बीसीसीएल, निजी क्वाटरधारियों के निमित्त भाड़ा दिया जाए या लीज़ पर क्वाटर दिया जाए। सरकार यह कार्यवाही अविलंब करे।

MR. CHAIRMAN:

Shri Ravindra Kumar Pandey may be allowed to associate himself with the submissions made by Shri Pashupati Nath Singh.